>

Title: Need to impress upon the International Olympics Committee not to exclude Wrestling event from 'Olympics-2020' onwards.

श्री दिलीपकुमार मनसुखलाल गांधी (अहमदनगर): सभापति महोदय, कुश्ती एथेंस में हुए पहले ओलंपिक से लेकर अब तक के आयोजनों में शामिल रही है। खासकर भारत में इस खेल का इतिहास बहुत पुराना है और आज भी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हमारे खिलाड़ी अच्छी मौजूदगी दर्ज कराते हैं। पिछले दो ओलंपिक और वैश्विक स्पर्धा में हमारे पहलवानों ने दुनिया के अखाड़ों में देश को सम्मानजनक जगह दिलायी थी। कुश्ती में भारत एक ताकतवर देश बनकर सामने आया। उससे भविष्य को लेकर कुछ बेहतर उम्मीद जगी थी। भारत सहित दुनिया के कई देशों में लोकप्रिय खेल कुश्ती को 2020 के ओलंपिक में शामिल न करने की अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति की सिफारिश तमाम भारतीयों को हैरान करने वाली है। आई.ओ.सी. की सिफारिश का अंतर्राष्ट्रीय कुश्ती जगत ने कड़ा विरोध जताया है। मुझे तो ऐसा लगता है कि भारत में लोकप्रिय खेल कुश्ती को ओलंपिक से हटाने की यह एक अंतर्राष्ट्रीय साजिश भी हो सकती है। किसी भी खेल को ओलंपिक में शामिल कराने के लिए दबाब समूह की जरुरत पड़ती है। लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि आई.ओ.सी. के कार्यकारी बोर्ड की बैठक में कुश्ती की पैरवी करने के लिए भारत सहित किसी अन्य कुश्ती प्रेमी देश का प्रतिनिधि मौजूद नहीं था। यह भारत में लोकप्रिय खेल के प्रति शर्मनाक बात है। मेरा आग्रह है कि सरकार द्वारा कुश्ती खेल को 2020 के ओलंपिक में शामिल करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति पर दबाव डालकर उन्हें भारत के खेलों को ठेस पहुंचाने वाला निर्णय लेने से रोका जाए।

सभापति महोदय : श्री दिलीपकुमार मनसुखलाल गांधी जी द्वारा उठाये गये विषय के साथ

श्री अर्जुन राम मेघवाल,

श्री भर्तृहरि महताब और

श्री राजाराम पाल को भी एसोशिएट किया जाए।